दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–6)

निर्धारित समयः तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2206**

अधिकतम अंकः 250
Maximum Marks: 250

Name: MOIN AHAMD (मोईन अहमद) **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): ____________ **Reg. Number:** ____________

Center & Date: ____________ **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: ____________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें ***बीस*** *प्रश्न हैं तथा* ***हिन्दी*** *और* ***अंग्रेज़ी*** *दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are ***TWENTY*** *questions printed both in* ***HINDI*** *and* ***ENGLISH****.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. अब्राहम समझौता भारत के पश्चिम एशियाई सेतु के रूप में कैसे कार्य कर सकता है? चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

How can Abraham Accords serve as India's West Asia bridge? Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अब्राहम समझौता हाल ही में इजराइल व UAE के बीच संपन्न हुआ तथा पूर्व में इजराइल अन्य देशों (जैसे, सूडान, मिस्र) आदि के साथ भी इस प्रकार का समझौता कर चुका है।

अब्राहम समझौता व IND के पश्चिम एशियाई सेतु

⇒ भारत को पश्चिम एशिया में विदेश नीति की गंभीर चुनौती प्राप्त होती है क्योंकि पश्चिम एशिया में भूराजनीतिक विवाद विद्यमान है। जैसे → सऊदी अरब vs ईरान, अरब देश vs इजराइल आदि।

⇒ अब्राहम समझौते के बाद भारत को पश्चिम एशिया में पहलकारी व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विविधमूलक विदेश नीति से थोड़ा राहत प्रदान होगा

⇒ भारत इजराईल के साथ संबंधों को बेहतर करते समय भयभीत नहीं होगा क्योंकि UAE ने भी अब्राहम एकार्ड साइन किया है।

⇒ अब्राहम समझौता से पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय शांति व स्थिरता रहेगी जो भारत के हित में क्योंकि भारत पश्चिम एशिया तेल व गैस का बड़ा आयातक है तथा बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी वहाँ है।

भारत एवं पश्चिमी एशिया के संबंध सांस्कृतिक आधार पर है, परंतु वर्तमान में यह आर्थिक, राजनीतिक व विभिन्न क्षेत्रों में विस्तारित हो रहा है जैसे UAE के द्वारा Oil Reserve व ओमान के द्वारा दुकमगिरि पोर्ट में निवेश

Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. "स्वतंत्रता के पश्चात् से सिविल सेवाओं ने एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन हमारे देश की क्षमता का दोहन करने के लिये सिविल सेवाओं में व्याप्त मौजूदा समस्याओं को ठीक किया जाना चाहिये"। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

"The civil services have played a significant role since Independence, but in order to harness our country's potential, existing problems of civil services must be fixed". Examine. (150 words) 10

सरदार पटेल के द्वारा सिविल सेवा को 'स्टील फ्रेम' की संज्ञा दी गई है। जिसका अभिप्राय है कि इनके द्वारा देश के महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक व शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है।

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

- कानून व्यवस्था
- आर्थिक-विकास व सामाजिक विकास सम्बन्धी
- कानूनों का क्रियान्वयन
- आपातकालीन सेवाएँ ex- आपदा प्रबंधन
- राजस्व सेवाएँ ex- DM, SDM, तहसीलदार

सिविल सेवकों के कंधों पर देश के विकास व न्याय की जिम्मेदारी होती है, परंतु उनके निम्नलिखित समस्याएँ है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- लाल फीताशाही
- भाई-भतीजावाद
- भ्रष्टाचार का व्याप्त होना।
- पारदर्शिता का अभाव ex- गोपनियता एक्ट 1923
- जवाबदेहिता का अभाव
- राजनैतिक गठजोड़ ex- वोहरा समिति रिपोर्ट
- कार्य संस्कृति का बेहतर न होना
- उच्च पदों पर पहुँचने की महत्वकांक्षाएँ ex- मंत्रियों के साथ गठजोड़

समाधान

→ प्रशिक्षण में मूल्यों को बढ़ावा
→ RTI व सिटीजन चार्टर का प्रभावी उपयोग
→ भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति
→ e-शासन को बढ़ावा देना
→ राजनीतिक तटस्थता को बढ़ावा
→ नौकरी नहीं बल्कि स्वधर्म

हाल ही में शुरू किया गया कर्मयोगी मिशन सिविल सेवकों की दक्षता व क्षमता को बेहतर करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. "कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व निधि के तहत किये जाने वाले विकास कार्य अनुभव की कमी, प्रयासों के दोहराव और संसाधनों के असमान भौगोलिक वितरण के कारण खराब हो जाते हैं।" विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

"Works under Corporate Social Responsibility funds are marred by lack of experience, duplication of efforts, and inequitable geographically distribution of resources". Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के द्वारा 500 करोड़ बिक्री, 1000 करोड़ टर्नओवर व 5 करोड़ नेट प्रोफिट कमाने वाली कंपनियों के 2% लाभ का सामाजिक दायित्व निधि में खर्च करना अनिवार्य बनाया।

ऐसी पद्धति लागू करने वाला भारत दुनिया का पहला देश है परंतु इसमें निम्नलिखित समस्याएँ देखी गई-

अनुभव की कमी

- निजी क्षेत्रों के पास सामाजिक विकास व प्रशासन का सरकारी संस्थाओं की तुलना में कम अनुभव होता है।
- निजी क्षेत्र इसको खर्च (CSR) करने में ज्यादा रुचि नहीं दिखाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(प्रयासों के दोहराव)

- ज्यादातर कंपनियों के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य जल आदि क्षेत्रों में खर्च किया जाता है।
- सरकार के द्वारा भी इन क्षेत्रों पर अधिक खर्च किया जाता है, जिसका कारण प्रयासों का दोहराव होता है।

(असमान वितरण)

- CSR का पैसा किसी विशेष क्षेत्र पर अत्यधिक खर्च किया जाता है अन्य क्षेत्र की उपेक्षा जैसे उत्तरी भारत को वरीयता जबकि उत्तर पूर्वी को नहीं, जिसके कारण भौगोलिक असमानता होती है।

CSR पैसों के खर्च की नीति व क्रियान्वयन में स्थानीय लोगों की भागीदारी, एनजीओ व सिविल सोसाइटी की भागीदारी से इन प्रकार की समस्याओं को दूर करके लोगों की जीवन की गुणवत्ता बेहतर की जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

4. सुशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक समावेशी सर्वांगीण विकास हासिल किया जाए। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The objective of Good Governance is to ensure that an inclusive all-round development is achieved. Elucidate. (150 words) 10

सुशासन की कोई एक स्पष्ट परिभाषा नहीं है बल्कि विश्व बैंक के अनुसार सुशासन में जवाबदेहिता पारदर्शिता, शिकायत निवारण तंत्र आदि तत्वों का समावेशन होना चाहिए।

(समावेशी सर्वांगीण विकास कैसे)

- शासन व प्रशासन तक सभी की पहुंच सरल व आसान हो।
- नीति निर्माण व कार्यान्वयन में जनभागीदारी को प्रोत्साहन दिया जाए। ex. NGO का इस्तेमाल व सिविल सोसाइटी से परामर्श
- उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिटीजन चार्टर का उपयोग

- पारदर्शिता को बनाए रखने हेतु RTI का प्रभावी इस्तेमाल।
- अधिकारियों व जनता के बीच की दूरी कम हो व विश्वास बना रहे।
- e-शासन को बढ़ावा eg- टेक्नोलॉजी, e-डिस्ट्रिक्ट सेवाएँ, मोबाईल कोर्ट आदि
- त्वरित सुनवाई व निवारण आदि
- शिकायत निवारण तंत्र व स्वतंत्र संस्थाएं की उपस्थिति / eg- CVC, CBI, CIC आदि
- कमजोर वर्गों के लिए विशेष सुविधाएँ जैसे- विकलांगों के व्हीलचेयर, आदिवासियों के लिए जीवन स्कीम आदि

भारतीय संविधान की प्रस्तावना मूल अधिकार व नीति निदेशक तत्वों में सुशासन प्राप्त करने के पर्याप्त प्रावधान हैं, उसका क्रियान्वयन उचित ढंग से करने की आवश्यकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. विश्वभर में देश पारंपरिक बहुपक्षवाद से अपना ध्यान नए उभरते हुए लघुपक्षवाद की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं। इस संबंध में, वर्तमान परिदृश्य में पश्चिम एशिया में I2U2 समूह की समता और प्रभाव पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Countries are shifting their focus from traditional multilateralism to newly emerging minilateralism. In this regard, discuss the strength and impact of I2U2 group in West Asia in the current scenario. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

I2U2 ग्रुप से तात्पर्य भारत, UAE, अमेरिकी संघ व इजराईल से है, इसे पश्चिमी एशिया के QUAD की संज्ञा दी गई है।

वर्तमान भूमंडलीकरण के दौर में प्रत्येक देश के द्वारा अपने राष्ट्रीय हितों व सुरक्षा को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है।

I2U2 स्ट्रेंथ

- अमेरिका के शामिल होने से इस ग्रुप की प्रभावकारिता स्वयं ही आगे बढ़ेगी क्योंकि USA सुपरपावर है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

• UAE व इजराईल के एक साथ होने से पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन exn ईरान के संदर्भ में

• भारत के भी पश्चिम एशिया में हितों को मजबूती मिलेगी। exn निवेश। तकनीकी। रक्षा हथियार (israel) आदि

• भविष्य में और देशों के JOIN करने से ईरान अलग-थलग पड़ सकता है exn सऊदी अरब, ईराक, कतर

प्रभाव

→ पश्चिमी एशिया की भू-राजनीति पर असर

→ अमेरिका व israel के एक साथ होने से ईरान और ज्यादा आक्रामक

→ भारत के प्रवासी बड़ी संख्या में है तो उन पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका

→ ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को और अधिक गति प्रदान करेगा जो घातक है।

भारत के द्वारा बहुआयामिक नीति अपनाई जा रही है व संबंधो को विस्तार प्रदान किया जा रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

6. "शहरी स्थानीय निकायों के वित्तीय प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता है, जो हमारी नगर पालिकाओं को वित्तीय रूप से टिकाऊ बना सके।" परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

"There is need for reforms in the financial management of urban local bodies, which can make our municipalities financially sustainable." Examine. (150 words) 10

भारत में 74 वें संविधान संशोधन के द्वारा शहरी स्थानीय निकायों को विधायी व वित्तीय अधिकार प्रदान किए गए थे।

परंतु वर्तमान में शहरी क्षेत्र के स्थानीय निकाय में वित्तीय प्रबंधन में विद्यमान समस्याएँ:

• निधि का उचित जगह उपयोग नहीं।

• बिना नियोजन के निधि उपयोग

• राजनीतिक हस्तक्षेप, (प्रशासनिक व निकायीय कार्यों में)

• निधि का उसी मद में प्रयोग न करना (यातायात प्रबंधन का पैसा आवास योजना में खर्च कर देना)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- उत्तरदायित्व के लिए उचित मैकेनिज्म न होना
- भ्रष्टाचार का व्याप्त होना।
- वित्त आयोग की धनराशि का दुरुपयोग

वित्तीय प्रबंध में सहयोग/सुधार

→ नीति निर्माण में स्थानीय समुदायों की शक्ति
→ वित्त आयोग के पैसों का सार्वजनिक प्रकाशन
→ जो पैसा जिस मद में उसी में खर्च
→ भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस
→ जवाबदेहिता व उत्तरदायित्व मैकेनिज्म को बेहतर किया जाए
→ शिकायत निवारण तंत्र को प्रभावी व राज्यों के द्वारा निगरानी करने के लिए स्वतंत्र संस्थाओं का निर्माण।

शहरी स्थानीय निकाय भारत के आर्थिक विकास व लोकतंत्र की रीढ़ है. अत: इन पर पर्याप्त ध्यान देना चाहिए एवं स्कीमों का बेहतर क्रियान्वयन हो ex-अमृत, स्मार्टसिटी,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विचार के फिर से उभरने के साथ बंगाल की खाड़ी क्षेत्र का आर्थिक और सामरिक महत्त्व तेज़ी से बढ़ रहा है। इस संबंध में चर्चा कीजिये कि बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में कहाँ तक सक्षम है। (150 शब्द) 10

The economic and strategic significance of the Bay of Bengal region is growing rapidly with the re-emergence of the Idea of the Indo-pacific region. In this regard, discuss how far BIMSTEC is capable of facing the challenges in the Bay of Bengal region. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बिमस्टेक देशों के बीच किसी प्रकार का सीमा-विवाद व अविश्वास विद्यमान नहीं है, जो इसकी सफलता का परिचायक है, जबकि दक्षेस की असफलता का मुख्य कारण सीमा-विवाद व अविश्वास है।

बंगाल की खाड़ी का आर्थिक व सामरिक महत्व।

⇒ मलक्का जलसंधि बंगाल की खाड़ी के पास है, जिसका व्यापक आर्थिक महत्व है।
⇒ बंगाल की खाड़ी के संसाधनों का दोहन बाकी है।
⇒ बंगाल की खाड़ी (बांग्लादेश) व म्यांमार में चीन की उपस्थिति ने सामरिक चिंताओं को उजागर किया है जैसे बेल्ट व रोड योजना के तहत (मोतियों की माला)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बिम्सटेक व बंगाल की खाड़ी की चुनौतियां

→ भारत, बांग्लादेश, म्यांमार व थाईलैंड, नेपाल के आपसी सहयोग बढ़ने से चीन का महत्व कम होगा।

→ भारत ने क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए SAGAR की शुरुआत की है।

→ बंगाल की खाड़ी से उत्पन्न आपदाओं में सहयोग जैसे चक्रवात आदि।

→ बंगाल की खाड़ी में किसी अन्य बाहरी ताकत की उपस्थिति का सामूहिक विरोध।

बिम्सटेक की प्रगति भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए अपरिहार्य है व एक्ट ईस्ट नीति को जस्टिफाई करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को समकालीन दुनिया का प्रतिनिधि बनाने और इसमें 21वीं सदी की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिये इसमें सुधार करने की आवश्यकता है। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

There is a need for reform in UNSC to make it representative of the contemporary world and reflect the 21st century realities. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद UN का एक विशिष्ट अंग है। (6 अंगों में) जो वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए उत्तरदायी है। (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन स्थाई सदस्य व 10 अस्थाई सदस्य)

सुधार क्यों

• यह II विश्व युद्ध की व्यवस्था है, जबकि समकालीन व्यवस्था बदल चुकी है, एवं भारत, जापान, ब्राजील, जर्मनी का भी उभार हो रहा है।

→ अंतर्राष्ट्रीय समानता का उल्लंघन है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

• अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को लोकतांत्रिक होना चाहिए।

• वीटो पावर का दुरुपयोग हो रहा है जैसे चीन के द्वारा भारत के प्रस्ताव 1267 के तहत कलमकी को आतंकी घोषित करना।

• UNSC द्वारा 2001 में हमले के बाद अनुमति दी गई जिसका दुरुपयोग किया गया।

भारत नियम आधारित विश्व का समर्थक है व वैश्विक संस्थाओं के लोकतांत्रिकरण का समर्थक है ताकि वैश्विक शांति व स्थिरता बनी रही है, जो संविधान में उल्लेखित है (Art 51)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक संतुलित दृष्टिकोण का अनुसरण कर रहा है जिसके तहत यह राष्ट्रों के साथ संरेखित होने के बजाय अपने स्वयं के राष्ट्रीय हित के साथ संरेखित होता है। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

India is following a balanced approach in the present global scenario where it aligns with its own national interest instead of aligning with nations". Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय हित, किसी भी देश की विदेश नीति का मूल आधार होता है, एवं वर्तमान भूमण्डलीकरण के दौर में विश्व में बढ़ती अन्तर्निर्भरताओं व जटिलता के युग में भारत भी अछूता नहीं है।

संतुलित दृष्टिकोण

• यूक्रेन संकट में हिंसा की निंदा की गई बगैर किसी देश का नाम लिए जबकि UNHRC व UN महासभा से वोट के दौरान अनुपस्थित रहा।

• पश्चिम एशिया में भारत के इजरायल से भी संबंध है, ईरान के साथ भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सहयोग किया जा रहा तथा सऊदी-अरब तीसरा बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

→ USA के साथ COMCASA, BECA, LEMOA आदि समझौते किए हैं, जबकि रूस के साथ S-400 डील साइन की गई है।

→ SCO के मंच पर पारस्परिक विरोधी रणनीति से दूरी बनाए रखना।

→ QUAD में प्रत्यक्ष तौर पर चीन के विरुद्ध बोलना क्योंकि चीन के साथ बड़े स्तर पर आर्थिक सहयोग है।

वर्तमान में भारत एक महाशक्ति है। जिसके कारण वह प्रगमेटिक व विविधवादी नीति अपनाते हुए राष्ट्रीय हित व सुरक्षा को प्राथमिकता प्रदान कर रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. "आज के समय में भारत-बांग्लादेश संबंध किसी भी अन्य सामरिक साझेदारी से अधिक गहरे हैं, हालाँकि इसको लेकर कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं"। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"India-Bangladesh relations today are deeper than any other strategic partnership however some challenges remain". Assess. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान बांग्लादेश के द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों व विचारों को समर्थन प्रदान किया जा रहा है, जिसके कारण भारत-BAN संबंध प्रगाढ़ हो रहे हैं।

COVID-19 के बाद भारतीय PM के द्वारा पहली यात्रा Bangladesh की गई, जो इसकी उपयोगिता को रेखांकित करता है। एवं साथ एक्ट ईस्ट नीति को प्रभावी बनाता है।

भारत व बांग्लादेश संबंध

• पूर्वोत्तर के विकास के लिए बांग्लादेश के द्वारा मोंगला व चटगांव बंदरगाह का इस्तेमाल अधिकार इंडिया को दिया गया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

• भारत व बांग्लादेश की खुली सीमा है।
दोनों देशों की सेनाएँ ([illegible])
द्वारा साझा पैट्रोलिंग व तकनीकी सहयोग

• पूर्वोत्तर में उग्रवाद शांत करने में सहयोग

• पूर्वोत्तर के लिए बांग्लादेश से इंटरनेट का केबल लिया गया है।

• आर्थिक सहयोग के 19 में 8.2 B$ व्यापार

चुनौतियाँ

→ अवैध घुसपैठ
→ धार्मिक कट्टरवाद इन बांग्लादेश Ex- जमीतुल-उलेमा
→ हथियारों व दवाओं की तस्करी
→ बांग्लादेश का व्यापारिक घाटा
→ चीन का बढ़ता सामरिक प्रभाव

गुजराल सिद्धान्त के द्वारा पड़ोसी को एकतरफा छूट प्रदान की जा रही है, क्योंकि विदेश नीति में पड़ोसी का विकल्प नहीं होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

11. हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय वातावरण ने भारत और जापान संबंधों के बीच महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। हाल ही के दिनों में दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों में योगदान देने वाले कारकों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Regional environment in the Indo-pacific has contributed significantly between India and Japan relations. Discuss the factors that contributed to the growing ties between the two countries in recent times. (250 words) 15

भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत जापान का स्थान अति-महत्वपूर्ण है। एवं वर्तमान में चीन के शक्तिशाली उभार ने इनके संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान की है।

क्षेत्रीय वातावरण व भारत-जापान संबंध

• जापान - अमेरिका का सहयोगी है एवं उसका पड़ोसी उत्तर कोरिया चीन का सहयोगी है, जबकि चीन, भारत व जापान दोनों के लिए साझा खतरा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- आसियान देशों के साथ भारत व जापान दोनों के आर्थिक हित है।
- ऑस्ट्रेलिया व साउथ कोरिया के साथ भी भारत व जापान के सामरिक व आर्थिक हित है।
- दोनों देश नियम आधारित विश्व के समर्थक है।

दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों में योगदान करने वाले कारक

- दोनों ही देश लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता प्रदान करते है।
- भारत व जापान QUAD के सदस्य हैं, जो तकनीकी, पर्यावरण, व्यापार आदि क्षेत्रों में सहयोग की वार्ता कर रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- दोनों देश मुक्त एवं समावेशी इंडो-पैसेफिक के समर्थक है।
- UNSC की स्थाई सीट के लिए
- भारत व जापान के द्वारा अफ्रीका के लिए गलियारे का निर्माण किया जा रहा है।
- जापान के द्वारा भारत में निवेश eg: दिल्ली मेट्रो, बुलेट ट्रेन आदि

समस्याएँ

→ भारत का RCEP में शामिल न होना
→ यूक्रेन संकट पर विचारों में भिन्नता
→ विकसित-विकासशील राष्ट्रों के मध्य पक्ष
→ चीन की मुखर आलोचना

भारत व जापान के बीच किसी भी प्रकार का सीमा विवाद व गंभीर विवाद विद्यमान नहीं है एवं सहयोग की (तकनीकी। रक्षा। निवेश आदि क्षेत्र) में अपार संभावनाएँ है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. प्रवासी भारतीय भारत की विकास प्रक्रिया और उसकी विदेश नीति के लक्ष्यों को बढ़ावा देने में कैसे भूमिका निभाते हैं? (250 शब्द) 15

How does the Indian diaspora play a role in India's development process and in the promotion of its foreign policy goals? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय प्रवासी (अमेरिका / ब्रिटेन सऊदी अरब / UAE / ईरान) व अन्य महत्वपूर्ण देशों में निवास करते है।

कमला हैरिस USA की उपराष्ट्रपति है व ऋषि सुनक ब्रिटिश PM की रेस में सबसे आगे है, ये भारतीय मूल के व्यक्ति है, जो प्रवासियों के महत्व को उजागर करता है।

[प्रवासी व विकास प्रक्रिया]

• WB के अनुसार भारत विश्व में सर्वाधिक रेमिटेंस प्राप्त करने वाला

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

देश है।

• प्रवासी के द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों (उद्योग, सेवा) आदि में निवेश किया जाता है। ex- FDI व FPI

• भारत में रोजगार के अवसर कम है एवं वे लोग अन्य देशों में रोजगार अर्जित कर भारत से दबाव कम करते है।

• भारत सरकार के बांड व कंपनी के डिबेंचर में निवेश करती है। कंपनी व सरकारें इन पैसा का उपयोग विकासात्मक गतिविधियों के लिए करती है।

• प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन पर प्रवासियों के द्वारा विभिन्न घोषणाएँ

• NGO व सिविल सोसाइटी को सहायता किया जाता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रवासी व विदेश नीति के लक्ष्य

- राष्ट्रीय हितों की प्राप्ति में सहायक
eg- USA की सिविल डील में
भारतीय प्रवासियों की अहम भूमिका

- विदेशों में भारतीय संस्कृति का
प्रसार, भारत की सॉफ्ट Policy का
विस्तार eg- यूरोप में दीपावली
का त्योहार

- विदेशों में भारतीय नेताओं के कार्यक्रम
की सफलता eg- हाउडी मोदी आदि

- विदेशों के साथ निवेश, तकनीकी व
सामरिक सहयोग में भी सहायक।

भारतीय प्रवासियों की भूमिका
वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अन्य
किसी भी देश की प्रवासी की तुलना
में प्रभुत्वशाली प्रतीत होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. सही गति के साथ, मिशन अंत्योदय ग्रामीण भारत को गरीबी के संबंध में परिवर्तन लाने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

With the right momentum, Mission Antyodaya can help transform rural India in terms of poverty and ensure social justice. Critically examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मिशन अंत्योदय "गरीबों में भी
गरीब' के लक्ष्य के साथ शुरू
किया गया है, जो भारत को
SDG-1 की प्राप्ति में सहायक
सिद्ध होगा।

मिशन अंत्योदय व गरीबी

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 में
अंत्योदय कार्ड धारक को प्रतिमाह
35kg राशन का प्रावधान है,
जो भुखमरी व गरीबी में सहायक
होगा, जबकि भारत ग्लोबल हंगर
इंडेक्स में लगातार नीचे जा रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- अंत्योदय के तहत रोजगार के नये अवसरों का निर्माण किया जाएगा व अंत्योदयों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।
- दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण आजीविका मिशन इसी का भाग है, जो गांवों में कौशल आजीविका को बढ़ावा देगा।

अंत्योदय व सामाजिक न्याय

- क्योंकि अंत्योदय में पिछड़ों में से भी पिछड़ों को शामिल किया जाता है, इसीलिए इनके उत्थान से सामाजिक न्याय की प्राप्ति होगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- अंत्योदय का रोजगार व आजीविका मामलों में प्राथमिकता देना एवं सामाजिक न्याय के आदर्शों को प्राप्त करना है।

परीक्षण

- योजना का लाभ टारगेटेड न होना।
- PDS व्यवस्था में भ्रष्टाचार व्याप्त होना
- जागरूकता व साक्षरता की कमी।
- ग्रामीण क्षेत्र में जाति व धर्म की प्रधानता, सामाजिक न्याय की प्राप्ति में बाधक
- गरीबी व न्याय में संतोषजनक परिणाम नहीं

सामाजिक न्याय, संविधान का मूल उद्देश्य है एवं अंत्योदय योजना में तकनीक व बेहतर क्रियान्वयन इसे प्राप्त करने में सहायक होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. क्वाड आर्थिक गठबंधन और क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना को फिर से आकार देने में मदद कर सकता है। स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

The Quad can help reshape economic alliance and regional security architecture. Elucidate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्वाड का मूल उद्देश्य सुरक्षा साझेदारी था परंतु वर्तमान में क्वाड देशों में तकनीकी, पर्यावरण, रक्षा व सामरिक सहयोगी बनने के प्रयत्न किया जा रहा है।

क्वाड देशों में इंडिया, अमेरिका, जापान व ऑस्ट्रेलिया शामिल है एवं भविष्य में विस्तार का अनुमान है।

(क्वाड व आर्थिक गठबंधन)

- क्वाड देशों की निर्भरता चीन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर अत्यधिक है, आपसी सहयोग चीन पर निर्भरता कम करेगा

- अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी economy है, उसके समर्थन से आर्थिक संबंध मजबूत होंगे।
- क्वाड में और देशों को शामिल करने से यह इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में एक मजबूत संगठन बनेगा एवं TPP के फेल होने के बाद व RCEP में भारत के शामिल न होने के कारण।
- भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया के द्वारा COVID-19 के समय में सप्लाई आपूर्ति का निर्माण किया गया। SCRI

(क्वाड व क्षेत्रीय सुरक्षा)

- चीन का शक्तिशाली उभार इंडो-पैसेफिक क्षेत्र के लिए खतरा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसीलिए संवाद प्रतिसंतुलन की भूमिका किया सकता है।

- चीन के द्वारा 9 डेस लाइन मानने से इनकार
- चीन के द्वारा द्वीपीय देश से विवाद- eg. फिलीपींस
- चीन का इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में विस्तारवादी आक्रमक नीति eg. नैंसी पैलोसी की यात्रा के बाद ताइवान के पास युद्धाभ्यास

QUAD समस्याएँ
- अनौपचारिक मंच
- सक्रिय भागीदारी का अभाव
- कोई स्थायी सचिवालय नहीं
- EU देशों की रुचि नहीं
- AUKUS का निर्माण
- यूक्रेन संकट पर USA, AUS & JAPAN एक साइड & भारत का विचार अलग।

इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में आर्थिक संबंधों को बेहतर व क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए QUAD की भूमिका निर्णायक साबित होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

15. जनहित एक सिविल सेवक की राजनीतिक निष्पक्षता (तटस्थता) बनाए रखने की माँग करता है। लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका के आलोक में इसकी विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The public interest demands the maintenance of the political impartiality (neutrality) of a civil servant. Discuss this in light of the role of civil services in a democracy. (250 words) 15

राजनीतिक निष्पक्षता की मांग जनहित के अनुरूप है। क्योंकि भारत में संसदीय शासन प्रणाली है व राजनीतिक सरकारों की अदला-बदली संभव है, जबकि सिविल सेवक रिटायरमेंट तक स्थायी होता है।

यदि सिविल सेवक के द्वारा राजनीतिक तटस्थता का पालन नहीं किया किया जाता है तो वह जनहित की जगह राजनीतिक हित व व्यक्तिगत हितों की ओर अग्रसर रहेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोकतंत्र व सिविल सेवक

- नीतियों का निर्माण विधायिका करती है, एवं कार्यान्वयन कार्यपालिका के द्वारा किया जाता है, एवं सिविल सेवक कार्यपालिका का स्थायी भाग है। जिसके कारण तटस्थ रहना व्यावहारिक रूप में संभव नहीं है।

- लोकतंत्र के भीतर नीति विफलता व कार्यक्रम विफलता की जिम्मेदारी मंत्री/कार्यपालिका (सरकार) की होती है। परंतु नीति सलाह व निर्माण में सिविल सेवक सहयोग करता है, मंत्री के साथ संबंध में तटस्थता प्रभावित हो सकती है।

- लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है एवं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जनता से प्रत्यक्ष संपर्क होता है, जनता के कार्यों को सिविल सेवकों के माध्यम से कराया जाता है। परंतु सत्ताधारी दल के नेताओं व कार्यकर्ताओं के कार्य को मनाही सिविल सेवकों के लिए मुश्किल होती, जिससे तटस्थता प्रभावित होती है।

क्योंकि कार्य न करने पर ट्रांसफर का दुरुपयोग व गलत आरोप जैसी घटनाएँ सामने आती है। आजकल नेताओं के द्वारा whatsapp कॉलिंग इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि सबूत न रहे।

पहले राज्य के स्तर पर तटस्थता का ह्रास होता था अब केंद्र स्तर पर भी है। इसीलिए सिविल सेवकों को नैतिक व आचरण संहिता का कठोर क्रियान्वयन करना चाहिए ताकि संवैधानिक आदर्शों की प्राप्ति हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत को तीव्र गति से आर्थिक प्रगति करने के लिये, बेहतर जीवन की आशा में शहरों की तरफ जाने वाले प्रवासियों के हितों में सुधार करने की आवश्यकता है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

To make rapid economic progress, India needs to improve the well-being of the migrant that moves to cities in the hope of a better life. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में शहरी क्षेत्रों की आधारभूत संरचना, यातायात सेवाएँ, सेवाएं प्रदान करने गुणवत्ता ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक बेहतर व संतुलित है, जिसके कारण ग्रामीण-क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में प्रवास होता है।

प्रवास के कारण

- शहरों की बेहतर शिक्षा व्यवस्थाएँ ex-IIT
- विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ ex-AIIMS
- जाति, धर्म का प्रभाव नहीं।
- रोजगार के वैकल्पिक स्रोत ex-Industry

Copyright – Drishti The Vision Foundation

- सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ती है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में संयुक्त परिवारों का टूटना।
- कृषि पर निर्भरता।

परंतु COVID-19 के दौरान रिवर्स माइग्रेशन देखने को मिला था अर्थात् शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर पलायन। जिसके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण रोजगार योजना चलाई थी।

प्रवासियों के हितों में सुधार

- सामाजिक संरचना की ओर अधिक बेहतर किया जाए। जैसे, नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाई जाए। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ बेहतर की जाएँ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

- कृषि का व्यावसायीकरण किया जाए, निजी क्षेत्र को शामिल
- ई-कॉमर्स गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए जैसे- अमेजन स्टोर
- MSME को प्रोत्साहन व रियायतें प्रदान की जाएँ।
- गांव व शहर के बीच परिवहन सेवाएँ बेहतर की जाएँ जैसे हाई-स्पीड ट्रेन, बेहतर रोड (गांव से जिला मुख्यालय) PM सड़क योजना
- संवैधानिक व विधिक कानूनों का कठोर क्रियान्वयन हो जैसे- सिविल अधिकार संरक्षण एक्ट 1955, SC/ST एक्ट 1989 आदि।

गाँधी जी गाँवों के विकास के समर्थक थे व स्वराज्य के विचार को प्राप्त करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का विकास अपरिहार्य है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

17. खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के बावजूद भारत में कुपोषण और भूख चिंता का विषय है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite achieving self-sufficiency in food production, malnutrition and hunger in India is a matter of concern. Analyze. (250 words) 15

1960 के दशक में स्वामीनाथन की अगुवाई में बेहतर बीज व उर्वरकों के परिणामस्वरूप घटित हुई हरित क्रांति ने भारत को खाद्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्तमान में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 330 MT से अधिक है, परंतु कुपोषण व भूख चिंता का विषय बने हुए है।

कुपोषण के कारण

- सभी की खाद्यान्न तक पहुँच समान नहीं है जैसे- अमीर व गरीब

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- कृषि पैटर्न में एकरूपता जैसे मोटे अनाजों को न उगाना जैसे पश्चिमी उ०प्र० हरियाणा, पंजाब में गेहूँ-चावल
- जंक फूड व फास्ट फूड का बढ़ता प्रसार
- संतुलित भोजन का अभाव जैसे, कार्बोहाइड्रेड, वसा व प्रोटीन।
- लैंगिग भेदभाव जैसे लड़की के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार
- लड़कियों व औरतों में एनीमिया की समस्या
- हंगर फूड का विचार जैसे- फोर्टिफाइड फूड इसका उपचार है। एवं भारत सरकार चावल में इसका प्रयोग कर रही है।

भूख का कारण

- भारत में गरीबी के कारण लगभग 20% लोगों को खाना नहीं मिलता।
- फूड बेकार जाता है। लेकिन काम नहीं आता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- PDS स्कीम का उचित वितरण नहीं, जिससे लाभार्थियों तक नहीं पहुँचता।
- मिड-डे मिल में व्याप्त समस्याएँ
- सरकारी योजनाओं तक पहुँच का न होना विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में।

सरकार के भूख व कुपोषण को समाप्त करने हेतु उपाय

→ NFSA के माध्यम से खाद्य का कानूनी अधिकार
→ महिलाओं व बच्चियों के लिए आंगनवाड़ी के माध्यम से स्वास्थ्यवर्धक सेवाओं का वितरण।
→ पोषण 2.0 की शुरुआत
→ मिशन इंद्रधनुष
→ विभिन्न NGO व सिविल सोसाइटियों की सहायता।

कुपोषण व भूख का 21वीं सदी में विद्यमान होना नीतियों व कानूनों के उचित क्रियान्वयन न होने को दर्शाता है अतः मानव संसाधन व डेमोग्राफिक लाभांश का फायदा लेने के लिए इसे समाप्त करना अपरिहार्य है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. ई-गवर्नेंस शासन में सुधार का वादा करता है। इस संदर्भ में ई-गवर्नेंस के लिये की गई विभिन्न पहलों और विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

E-Governance holds the promise of improving governance. In this context discuss the various initiatives taken and various challenges to e-governance. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ई-गवर्नेंस, शासन में प्रौद्योगिकी संचार साधनों का इस्तेमाल कर शासकीय सेवाएँ, आम जनता तक उपलब्ध करता है।

e-गवर्नेंस के लाभ

- संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल।
- समय की बचत।
- उत्पादकता ↑।
- जनता का विश्वास ↑।
- जनता से दूरी कम।
- समय-पर सेवाएँ।
- जवाबदेहिता ↑।
- पारदर्शिता ↑।
- उत्तरदायित्व सुनिश्चित होता।
- औपनिवेशिक भ्रान्ति में कमी आती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ई-गवर्नेंस के लिए पहलें

- कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से B2B, B2C, सेवाओं का विस्तार किया गया है। जैसे → लीगल सेवाएँ सरकारी बैंकों की सुविधाएँ आदि।
- ई-नीलामी की व्यवस्था।
- ई-डिस्ट्रिक्ट, ई-प्रमाण के माध्यम से जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र सुगमता से प्राप्त किया जा सकते हैं।
- पर्यावरण मंत्रालय द्वारा परिवेश पोर्टल
- शिकायत के लिए CPGRAM पोर्टल का निर्माण। e-Court (कोरोना के दौरान)
- ट्विटर का इस्तेमाल जैसे विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा
- MyGov.in पर जाकर सुझाव
- चुनाव आयोग द्वारा सी-विजिल एप्प आदि
- PRAGATI द्वारा परियोजना निगरानी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ई-गवर्नेंस चुनौतियाँ

→ डिजीटल आधारभूत संरचना की कमी। जैसे, A.P के 2700 गांवों में मोबाईल कवरेज नहीं

→ डिजीटल साक्षरता नहीं। PM-DISHA मिशन के बावजूद

→ नौकरशाही की रूढ़िवादी प्रवृत्ति

→ नौकरशाही नवाचार के प्रति उत्साही नहीं

→ लोगों में जागरूकता की कमी।

→ लोग व प्रशासन प्रत्यक्ष संपर्क को वरीयता

उपाय

→ डिजीटल इन्फ्रा सुधार (डिजीटल इंडिया मिशन)

→ डिजीटल साक्षरता को बढ़ावा

→ सिविल सेवकों के प्रशिक्षण में ई-गवर्नेंस अनिवार्य

→ देश में डिजीटल संस्कृति को बढ़ावा

→ e-Courts व e सेवाओं का विस्तार किया जाए।

ई-गवर्नेंस आगामी सालों में देश का भविष्य है, जो संविधान के आदर्श समानता, स्वतंत्रता व सामाजिक न्याय में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. लोकतंत्र में, सूचना ही वह हथियार है जो नागरिकों के हाथ में शक्ति प्रदान करती है। इस संबंध में, सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन में विभिन्न कमियों पर प्रकाश डालिये और उनके समाधान हेतु उपायों का उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 15

In a democracy, it's information that puts the power in the hands of citizens. In this regard, highlight various lacunae in the implementation of the right to information act and mention the measures to tackle them. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में, RTI एक्ट 2005 के माध्यम से नागरिकों को "सूचना का अधिकार" प्रदान किया गया ताकि शासन व प्रशासन में "पारदर्शिता व जवाबदेहिता" के उद्देश्य की प्राप्ति की जा सके।

सूचना के अधिकार में कमियाँ

• जानकारी उपलब्ध न कराने पर जुर्माने की राशि अधिकतम 25K है, जिसके आधार पर कोई बड़ी सूचना की जगह अधिकारी/कर्मचारी 25K भरने को तैयार रहता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ राज्य सूचना आयोग व केंद्रीय सूचना आयोग के समक्ष की गई अपील पर कोई समय सीमा नहीं है। जैसे - CIC व SIC के पास लंबित केसों में वृद्धि

→ जनहित में सूचना देना उचित नहीं है नाम पर विभिन्न सूचनाओं तक पहुँच को बाधित करता है।

→ सूचना आयोगों के पास निर्णयों को लागू करने की कोई विशेष शक्ति नहीं।

→ RTI एक्ट राजनीतिक दलों पर लागू नहीं होता है।

→ इनको संवैधानिक दर्जा प्राप्त नहीं है इसलिए 2019 में सरकार द्वारा इनके संशोधन करके इसकी स्वायत्तता प्रभावित की गई। जैसे - वेतन, सेवा, शर्तें व कार्यकाल में बदलाव किया गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समाधान

→ सूचना आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया जाए; निर्वाचन आयोग व CAG की तरह

→ जुर्माने की राशि बढ़ाई जाए व सजा का कठोर प्रावधान हो।

→ सूचना आयोगों के लिए समय-सीमा तय की जाए जैसे - अधिकतम 3 व 6 माह

→ सूचना आयोग को अपने निर्णयों को लागू करने की विशेष शक्ति दी जाए।

→ RTI कार्यकर्ताओं के लिए भी विशेष प्रावधान

→ RTI जनसम्पर्क कार्यालय शुरू किया जाए ताकि इसके विस्तार व पहुँच में वृद्धि हो।

सूचना के अधिकार भारतीय लोकतांत्रिक शासन पद्धति में जवाबदेहिता व पारदर्शिता को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं अभी इसे अपने वास्तविक लक्ष्य की प्राप्ति करना बाकी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. सिटीजन चार्टर कोई पद्धति नहीं है, यह लोकतंत्र को गहन करने वाली अवधारणा है। इस कथन के आलोक में सिटीजन चार्टर के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं की चर्चा कीजिये और उपाय सुझाइएँ। (250 शब्द) 15

Citizen's Charter is not a ritual, it is a democracy intensifying concept'. In the light of the statement discuss the hurdles in the implementation of the Citizen's Charter and suggest remedies. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिटीजन चार्टर की शुरुआत इंग्लैण्ड मे शुरु की गई थी। सिटीजन चार्टर का उद्देश्य नागरिकों को समयपूर्ण सेवाएँ, गुणवत्ता बनाए रखने एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना है।

सिटीजन चार्टर के कार्यान्वयन मे बाधाऐं

→ इसकी प्रकृति जैसे, यह कानूनी रूप से बाध्य नहीं है।

→ सभी विभागो, कार्यालयों द्वारा सिटीजन चार्टर का निर्माण ही नही किया गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ जिन मंत्रालयों / विभागों ने निर्माण किया है, उनकी भाषा जटिल व सिटीजन चार्टर बहुत अधिक लंबा है। ex रेलवे का सिटीजन चार्टर

→ शिकायत निवारण तंत्र का अप्रभावी होना या मौजूद न होना।

→ नागरिकों में साक्षरता व जागरूकता की कमी।

→ समयपूर्ण सेवा उपलब्ध न कराने पर उत्तरदायित्व की कमी।

→ प्रशासन की औपनिवेशिक प्रवृत्ति।

उपाय

→ कानूनी रूप से सभी मंत्रालयों व विभागों के लिए बाध्यकारी किया जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ सिटीजन चार्टर की भाषा सरल, आसान हो ताकि आम आदमी समझ सके।
• चार्टर निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहन।
• चार्टर निर्माण में सिविल सोसाइटी से सहयोग लिया जाए।
• शिकायत निवारण तंत्र प्रभावी जैसे → CPGRAMS व अधिकारियों की उत्तरदायित्वता को सुनिश्चित किया जाए।
• ब्रिटेन की भाँति चार्टर मार्क
• सेवोत्तम प्रारूप पर फोकस किया जाए।

लोकतांत्रिक देश में सेवाएँ प्राप्त करना नागरिकों का अधिकार है एवं समय पूर्ण व गुणवत्ता पूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराना शासन व प्रशासन का दायित्व है, जिसमें सिटीजन चार्टर एक सेतु की भूमिका में है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation